भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1948

06 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतें

1948. श्रीमती विजयलक्ष्मी देवी:

श्री नलिन सोरेन:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास देश में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों से संबंधित आंकड़े हैं;

(ख) यदि हां, तो पिछले पांच वर्षों का वर्ष-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में राज्य-वार सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाले शहरों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) मानव स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ वायु के महत्व को ध्यान में रखते हुए वायु प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): वायु प्रदूषण श्वसन रोगों और संबंधित बीमारियों के लिए गंभीर कारकों में से एक है, हालांकि, देश में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मृत्यु/बीमारी के बीच सीधा संबंध स्थापित करने के लिए कोई निर्णायक डेटा उपलब्ध नहीं है। वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभाव कारकों की सहक्रियात्मक अभिव्यक्ति हैं, जिसमें लोगों की खाद्य आदतें, पेशेवर आदतें, सामाजिक आर्थिक स्थिति, चिकित्सा इतिहास, प्रतिरक्षा और आनुवंशिकता आदि शामिल हैं।

(ग): शहरों की सूची (राज्यवार) जहां वायु गुणवत्ता राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं करती है, लिंक https://cpcb.nic.in/AQI_Bulletin.php पर देखी जा सकती है।

(घ): भारत सरकार ने वायु प्रदूषण के मुद्दों का समाधान करने के लिए कई कदम उठाए हैं जो **अनुलग्नक** में संलग्न हैं।

******

वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारी के कारण होने वाली मौतों के संबंध में दिनांक 06.12.2024 को लोकसभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या 1948 के उत्तर के भाग (घ) में उल्लिखित अनुलग्नक

भारत सरकार ने देश भर में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें शामिल हैं:

I. राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य के लिए कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) का कार्यान्वयन किया है जिसका उद्देश्य 2019 से देश में जलवायु संबंधी संवेदनशील स्वास्थ्य मुद्दों पर जागरूकता, क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारी और अनुक्रिया तथा भागीदारी संबंधी गतिविधियाँ बनाना है;

i. एनपीसीसीएचएच, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने वायु प्रदूषण के कारण होने वाली बीमारियों के प्रति स्वास्थ्य अनुकूलन योजना विकसित की है।

ii. एनपीसीसीएचएच, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राज्य कार्य योजना भी विकसित की है। इस राज्य विशिष्ट कार्य योजना में वायु प्रदूषण पर समर्पित अध्याय शामिल है जो प्रभाव को कम करने के लिए क्रियाकलाप का सुझाव देता है।

iii. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय वायु प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के तरीकों का सुझाव देते हुए राज्य/ संघ राज्य क्षेत्रों को सार्वजनिक स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी करता है।

iv. विश्व पर्यावरण दिवस (जून), अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ आसमान के लिए स्वच्छ हवा दिवस (सितंबर) और राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस (दिसंबर) के लिए राज्यों के समन्वय में प्रतिवर्ष राष्ट्रव्यापी जन जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं।

v. कार्यक्रम प्रबंधकों, चिकित्सा अधिकारियों और नर्सों, नोडल अधिकारियों प्रहरी साइटों, आशाकर्मी जैसे अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, महिलाओं और बच्चों जैसे संवेदनशील समूहों, यातायात पुलिस, नगरपालिका कर्मियों जैसे व्यावसायिक रूप से जोखिम का सामना करने वाले समूहों के लिए वायु प्रदूषण के क्षेत्र में समर्पित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए हैं।

vi.वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों को लक्षित करके अंग्रेजी, हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में भी सूचना, शिक्षा, संचार सामग्री विकसित की गई है। एनपीसीसीएचएच ने स्कूली बच्चों, महिलाओं, नगर पालिका कर्मचारियों जैसे व्यावसायिक रूप से असुरक्षित समूहों तथा विभिन्न कमजोर समूहों को लक्षित करते हुए अनुकूलित आईईसी सामग्री भी विकसित की है।

vii. मास्टर प्रशिक्षकों (राज्य स्तरीय प्रशिक्षकों) को तैयार करने के लिए प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर की क्षमता निर्माण कार्यशालाओं की श्रृंखला आयोजित की गई है, जो वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों और निगरानी के क्षेत्रों में राज्य/जिला स्तर पर प्रशिक्षण को आगे बढ़ा सकते हैं। एनपीसीसीएचएच ने

वायु प्रदूषण के डोमेन क्षेत्रों पर जिला नोडल अधिकारी की क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न राज्य स्तरीय प्रशिक्षणों का भी सहयोग किया।

viii. वायु प्रदूषण के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली/अलर्ट और साथ ही वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से राज्यों और भारतीय शहरों में प्रसारित किए जाते हैं ताकि स्वास्थ्य क्षेत्र के साथ-साथ असुरक्षित आबादी सहित समुदाय को तैयार किया जा सके।

II. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन लिक्विड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

III. स्वच्छ भारत मिशन भारत के शहरों, छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों की गलियों, सड़कों और बुनियादी ढांचे को साफ करने के लिए है। स्वच्छ हवा स्वच्छ भारत का एक अभिन्न अंग है।

IV. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने देश भर में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की रणनीति के रूप में 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम शुरू किया है।

******